Discipline Specific Course

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-C-211

मध्यकालीन हिन्दी कविता

पूर्णांक - 100	सत्रांत परीक्षा - 70
क्रेडिट - 6	सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- मध्यकालीन साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- मध्यकालीन साहित्य और संस्कृति के तुलनात्मक पक्ष को समझ सकेंगे.
- मध्यकालीन साहित्य के औचित्य का परीक्षण कर सकेंगे.
- मध्यकालीन भाषायी स्वरूप एवं लेखन संबंधी सरोकार का आकलन करेंगे.
- साहित्य का समीक्षात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे.

पाठ्य पुस्तक-प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता, सम्पादक - डॉ० सुरेन्द्र कुमार,प्रकाशक - हरियाणा साहित्य संस्थान, महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर(हरियाणा)

इकाई **1.** (व्याख्या हेतु):

(क) कबीरदास: सतगुरु की महिमा, मिथ्या आडम्बर, निराकार ब्रह्म, माया

(ख) सूरदास: विनय के पद, बाललीला-वर्णन

(ग) गो. तुलसीदास: वर्षाऋतु-वर्णन, विनय तथा भक्ति के पद,

इकाई **2.** (व्याख्या हेतु):

(क) मीराबाई: भगवत दृष्टा और समर्पण, भगवत- विरह

(ख) बिहारी: भक्ति के दोहे, नीति के दोहे, संगति का प्रभाव

(ग) भूषण: शिवाजी-प्रशस्ति

इकाई-**3**.

(क)कबीरदास – कबीरदास की भक्ति भावना, समाज सुधार, कबीर की भाषा, दार्शनिक चेतना

(ख)सूरदास – भ्रमरगीत की विशेषताएँ, विरह-वर्णन, सूर का वात्सल्य वर्णन, भक्ति भावना, काव्य कला

इकाई- **4.**

(क) गो. तुलसीदास- रचनाएँ , भक्ति भावना, तुलसी का समन्वयवाद, काव्य कला

(ख) मीराबाई- भक्ति भावना, विरहानुभूति, काव्यगत विशेषताएं एवं भाषा-सौंदर्य

इकाई-**5.**

(क) बिहारी- श्रृंगार वर्णन**,** भक्ति भावना, नीतिपरक दोहों का वैशिष्टय, बिहारी की बहुज्ञता, काव्य - सौन्दर्य

(ख) भूषण – रचनाएँ, वीर-भावना, राष्ट्रीय चेतना, काव्य - सौष्ठव

(ग) जायसी और घनानंद का सामान्य परिचय

सहायक ग्रंथ-

1. कबीर मीमांसा - डॉ० रामचन्द्र तिवारी
2. सूरदास- डॉ० हरवंश लाल शर्मा
3. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ.उदयभानु सिंह
4. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
5. बिहारी की वाग्विभूति - डॉ.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. भूषण-विमर्श – भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना